संतरा बगीचा जीर्णोद्धार घोटाला : एक महीने बाद भी समिति की जांच अधूरी

सात दिन में कम्पलिट करना थी जांच, किसानों की फर्जी लिस्ट लगाने का सामने आया है मामला

शाजापुर। जिला उद्यानिकी विभाग में किसानों के संतरा बगीचा जीर्णोद्धार के लिए उपकरण देने के लिए सरकार ने राशि भेजी थी। करोड़ों की यह राशि फर्जी किसानों के नाम पर गोलमाल कर दी गई है। ऐसे संतरे के बगीचे बता दिए गए हैं, जिन किसानों ने आज तक कभी संतरे का बगीचा ही नहीं लगाया। लगभग 3 करोड़ का यह घोटाला संतरा बगीचा जीर्णोद्धार में हुआ है। इस मामले को दबाने के लिए जिला उद्यानिकी अधिकारी को पूरा समर्थन मिल रहा है। यही कारण है कि आज दिनांक तक इस मामले में कोई कार्यवाही नहीं हुई है। कहने को तो पांच सदस्यों की एक जांच समिति भी बनाई थी, लेकिन लगता है कि ये जांच समिति भी इस घोटाले से प्रभावित होकर घोटाले की सहभागी बन गई है। अब देखना है कि यह फर्जीवाड़ा उजागर होता है या फिर जांच के नाम पर इस पर कोई आंच नहीं आती है।

गौरतलब है कि 2024-25 में शाजापुर जिले में 1100 हेक्टेयर याने करीब 5 हजार बीघा के संतरे के बगीचे जीर्णोद्धार के लिए लगभग 3 करोड़ की राशि शाजापुर जिला उद्यानिकी विभाग को मिली थी। जिसमें जिला उद्यानिकी अधिकारी मनीष चौहान ने फर्जीवाड़ा कर ऐसे किसानों के बगीचे बता दिए, जिन्होंने कभी भी संतरे के बगीचे लगाए ही नहीं। 20 हजार प्रति हेक्टेयर के हिसाब से बगीचों का जीर्णोद्धार कराना था। जो फर्जी सूची बनाकर कागजों में करा दिए गए और 3 करोड़ की राशि ठिकाने लगा दी गई। मामले में जिले के प्रभारी मंत्री और मप्र के उद्यानिकी मंत्री नारायण सिंह कुशवाह से चर्चा की, तो उनकी बातों से लगा कि वे या तो इससे अनजान हैं या फिर घोटाले को दबाकर उद्यानिकी अधिकारी का मनोबल बढ़ा रहे हैं।

कहीं घोटाले से प्रभावित तो नहीं हो गए जांच समिति के सदस्य...

तमाम सूची उजागर होने के बाद भी जांच समिति के सदस्य इस मामले में सुस्त गति से जांच कर रहे हैं। ऐसा लगता है कि वे भी इस घोटाले से प्रभावित हो गए हैं। यही कारण है कि जांच कितनी आगे बढ़ी, क्या निष्कर्ष निकला, इसकी कोई जानकारी नहीं दी जा रही है। लगता है कि तीन करोड़ के इस फर्जीवाड़े के आगे जांच समिति भी नतमस्तक हो गई है।

एक ही जवाब जांच चल रही है...

संतरा बगीचा जीर्णोद्धार घोटाले में एक जांच समिति गठित की गई थी, जिसमें डिप्टी कलेक्टर सहित विभिन्न विभागों के पांच अधिकारियों को शामिल किया गया था। जिन्हें सात दिन में अपनी जांच रिपोर्ट शाजापुर कलेक्टर को सौंपना थी, लेकिन आज दिनांक तक इस घोटाले की जांच का न अता है न पता है। जांच समिति के जो सदस्य हैं, उनके पास एक रटारटाया जवाब है जांच चल रही है, जांच रिपोर्ट जल्द ही कलेक्टर को सौंपी जाएगी। अब ये रिपोर्ट कब सौंपी जाएगी, जांच कब तक पूरी होगी, इसका कोई जवाब जांच समिति के सदस्यों द्वारा नहीं दिया जा रहा है।

एक नजर में

रंगपंचमी पर नेमा समाज का भव्य फाग उत्सव

शुजालपुर। रंगपंचमी के पावन अवसर पर नेमा समाज शुजालपुर द्वारा श्रीराम जानकी धाम में भव्य फाग उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के सभी लोगों ने मिलकर सुबह से दोपहर तक उत्साह और उमंग के साथ फाग उत्सव मनाया। रंगगुलाल, फाग गीतों और आपसी भाईचारे के माहौल ने आयोजन को विशेष बना दिया। कार्यक्रम में बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार के झूले और बर्फ के गोले विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। वहीं शाम को समाजजनों ने सहभोज का आनंद भी लिया। इस अवसर पर 20-20 वर्ल्ड कप के फाइनल मैच का लाइव प्रसारण भी किया गया। भारत की जीत पर उपस्थित समाजजनों ने खुशी जाहिर करते हुए जमकर जश्न मनाया। पूरे आयोजन में पुरुषों के साथ-साथ महिलाओं और बच्चों की भी बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर समाज अध्यक्ष अंशुल नेमा ने समाज के सभी परिवारों एवं सहयोग करने वाले व्यक्तियों का आभार व्यक्त किया।

नि :शुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित

शुजालपुर। कृपा वेलफेयर सोसाइटी के सहयोग से 7 एवं 9 मार्च 2026 को शुजालपुर स्थित उष्मा गैस गेल पेट्रोल पंप परिसर में मानव विकास सेवा संघ सागर द्वारा नि :शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आसपास के क्षेत्रों से आए 120 से अधिक हितग्राहियों की आंखों की जांच कर उन्हें आवश्यकतानुसार नि :शुल्क चश्मे वितरित किए गए। शिविर के दौरान सिटी हॉस्पिटल के डॉ। मनीष माहेश्वरी एवं संकेत देवरा ने उपस्थित लोगों की आंखों की जांच की तथा उन्हें आंखों की देखभाल और स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सलाह भी दी। शिविर में बड़ी संख्या में क्षेत्रीय लोगों ने लाभ उठाया।

नेकी की दीवार परिवार ने राजवर्धन का किया सम्मान

शुजालपुर। नगर के मिर्ची बाजार स्थित नेकी की दीवार परिसर में यूपीएससी परीक्षा में 666 अंक प्राप्त करने वाले नगर के होनहार छात्र राजवर्धन सिसोदिया का सम्मान किया गया। नेकी की दीवार परिवार द्वारा पुष्पहार पहनाकर उनका अभिनंदन किया गया। राजवर्धन नगर के सुप्रतिष्ठित समाजसेवी गजेंद्र सिंह सिसोदिया एवं संतोष सिसोदिया के सुपुत्र हैं। उन्होंने अपनी सफलता से यह साबित किया कि दृढ़ संकल्प और मेहनत से लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी प्रभा विनोद जैन की वैवाहिक वर्षगांठ के उपलक्ष्य में नेकी की दीवार द्वारा संचालित नि :शुल्क कोचिंग के बच्चों को स्वादिष्ट मिठाई भी वितरित की गई। कार्यक्रम के दौरान राजवर्धन ने बच्चों से संवाद करते हुए सरल तरीके से पढ़ाई और लक्ष्य प्राप्ति के बारे में मार्गदर्शन भी दिया। कार्यक्रम में अनीश राजपूत, डॉ। अयान शर्मा, संदीप शाह, दीपक गोयल, सिद्धार्थ जैन, ग्रीष्मा शाह, वीणा गोयल, परमजीत कौर खालसा, राजकुमारी अग्रवाल, मीना चौधरी उपस्थित रहे।

पानी की बोछारों के बीच खूब जमा रंग

बड़ौद। नगर में रंगपंचमी पर्व को लेकर इस वर्ष भी उत्साह और उल्लास का माहौल रहा। श्री राधा कृष्ण फाग उत्सव समिति, बड़ौद द्वारा भव्य रंगपंचमी उत्सव का आयोजन समिति के तत्वावधान में किया गया। आयोजन को लेकर समिति एवं नगर परिषद सहित सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा तैयारियां शुरू की गई थी। समिति के अनुसार रंगपंचमी के अवसर पर भव्य उत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें नगर के नागरिक, युवा और विभिन्न सामाजिक संगठनों के सदस्य उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह आयोजन तहसील ग्राउंड से प्रारंभ हुई होली की गैर जो सुभाष मार्ग बस स्टैंड, हाटपुरा बाजार, कंकाली चौक, सदर बाजार होते हुए गांधी चौक स्थित पुराने किले में पहुंची जहां समापन किया गया। उत्सव के दौरान पारंपरिक ढोल-ढमाकों, रंग, गुलाल और फाग गीतों के साथ नगर में आनंद और उत्साह का वातावरण रहा। परिषद द्वारा पानी की बौछारों ने युवाओं को रंग में मदमस्त कर दिया। कार्यक्रम में नगर परिषद अध्यक्ष मंजू सचिन लववंशी ने नगरवासियों को भव्य आयोजन के लिए शुभ कामनाएं दी। रंगपंचमी गैर में तहसीलदार भंवर सिंह चौहान थाना प्रभारी रूप सिंह बैस नगर परिषद सीएमओ ओपी नागर सहित प्रशासनिक अमला मौजूद रहा।

सांदीपनि स्कूल में महिला सम्मान समारोह आयोजित

शाजापुर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर नगर के सांदीपनि हायर सेकेंडरी स्कूल में महिला सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली महिलाओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शाजापुर विधायक अरुण भीमावद मौजूद रहे। अध्यक्षता विद्यालय प्राचार्य सविता सोनी ने की। आयोजन युवा भारत संस्था के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। मुख्य अतिथि विधायक अरुण भीमावद ने क्षेत्र की प्रतिभावान और कर्मठ महिलाओं को प्रशस्ति पत्र वितरित कर उनके कार्यों की सराहना की। उन्होंने मातृशक्ति को नमन करते हुए कहा कि समाज के सर्वांगीण विकास में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। एक सशक्त महिला ही एक सशक्त समाज का निर्माण कर सकती है। महिलाओं के पूर्ण सशक्तिकरण के बिना देश का प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ना संभव नहीं है।

शांत शहर को कौन करना चाहता है अशांत ...?

बात शाजापुर की
मनोज पुरोहित

शाजापुर शहर पहले ही अतिसंवेदनशील माना जाता है। यहां के भाईचारे में बेवजह खलल डालने का प्रयास किया गया है। क्रिकेट विश्वकप की जीत के बाद कुछ तथाकथित लोगों ने अपनी भावना व्यक्त करने के लिए कुछ ऐसा कर दिया, जिससे दूसरों की भावना आहत हो गई।

बेवजह उकसाना और दूसरों की भावना को आहत करना शहर की शांति के लिए घातक है। शांत शहर में बेवजह अशांति फैलाने का यह प्रयास जिन लोगों ने भी किया है, उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही होना चाहिए। भारत की जीत के बाद मोटर साइकिल से निकले कुछ लोगों ने बेवजह एक धार्मिक स्थल पर आतिशबाजी की। इससे कुछ समय के लिए शहर का माहौल भी तनावपूर्ण हो गया था। पटाखे फोड़ने वाले तो वहां से निकल गए, लेकिन उन्होंने यह नहीं सोचा कि उनकी इस बेवजह की हरकत से शहर का शांत माहौल अशांत हो सकता है। इसे पुलिस की सूझबूझ कहें या पुलिस के प्रति दूसरे पक्ष का सम्मान कहें कि उन्होंने इस घटना को वहीं शांत कर दिया। शाजापुर में आधा दर्जन कुछ ऐसे तथाकथित लोग हैं, जो बेवजह शहर में अशांति की चिंगारी को हवा देते रहते हैं। प्रशासन को चाहिए कि ऐसे लोगों को चिन्हित कर ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करना चाहिए, क्योंकि बीती रात जिस तरीके से धार्मिक स्थल पर पटाखा फैंका गया, वो निश्चित तौर पर शहर की शांत फिजा को अशांत करने के लिए चिंगारी का रूप ले सकता था। इन तथाकथित कुछ लोगों के कारण दोनों समुदाय के भाईचारे में दरार तो आती है, साथ ही शहर की आम आवाम भी इस अशांति की भेंट चढ़ जाती है। पहले भी कई बार ऐसे अवसर आए, जब कुछ तथाकथित लोगों ने बेवजह साम्प्रदायिक माहौल बनाने का प्रयास किया। ये हर बार सनातन का मुखौटा पहनकर उसकी आड़ में अपनी मनमानी को अंजाम देते हैं और बचके निकल जाते हैं। सनातन का मुखौटा पहनकर ये सनातन को बदनाम कर रहे हैं। रमजान के इस पर्व पर शहर की शांत फिजा में ये अशांति का बारूद लगाने वालों के खिलाफ पुलिस-प्रशासन को सख्त कार्यवाही करना चाहिए, ताकि शहर की शांति में कभी कोई अशांति का बारूद न सुलगाए। ऐसी घटना का सनातन धर्म के आकाओं को पुरजोर विरोध करना चाहिए और कार्यवाही करने के लिए पुलिस का साथ देना चाहिए, ना कि ऐसे तथाकथित लोगों को प्रोत्साहित करना चाहिए। पुलिस के सामने मजबूरी यह है कि वे हिंदुत्व या सनातन की बात करने वालों के खिलाफ चाहकर भी कार्यवाही नहीं कर पाते हैं, क्योंकि इनकी कार्यवाही पर कहीं न कहीं सनातन भारी पड़ जाता है।

ऐसी घटना के बाद क्यों आगे नहीं आते शांति दूत... ?

हर त्योहार के पहले शांति समिति की बैठक आयोजित की जाती है और बैठक में अधिकारियों के चरण चुम्बन और अधिकारियों की शान में कसीदे पढ़ने के अलावा आज तक शांति समिति की बैठक के तथाकथित शांति दूत कभी भी शहर में अशांति फैलाने वालों के खिलाफ कार्यवाही करने के लिए आगे नहीं आए। जब भी शहर में साम्प्रदायिक तनाव होता है तो ये तथाकथित शांति दूत अपने-अपने धर्म में बंट जाते हैं। जबकि शांति समिति में उन्हीं लोगों को शामिल किया जाना चाहिए, जो अशांति के समय मौके पर दिखे और साम्प्रदायिक तनाव के दौरान कार्यवाही करने के लिए निष्पक्ष रूप से अपना पक्ष रखे। तभी यह शांति समिति की बैठक सही मायने में शहर की शांति के लिए सार्थक साबित होगी।

पुलिस न चाहकर भी एकपक्षीय...

पुलिस चाहती है कि निष्पक्ष कार्रवाई हो, लेकिन सत्ता का दबाव और हिंदुत्व का प्रेशर पुलिस नहीं झेल पाती है और न चाहकर भी हर घटना के बाद पुलिस को एकपक्षीय ही बनना पड़ता है। अब देखना यह है कि पुलिस कभी एक पक्षीय से द्विपक्षीय हो पाती है या फिर एक पक्षीय रहकर ही दूसरे पक्ष की तशरीफ सुजाती रहती है।

अंत में...

राजनीति में भाईचारा होना चाहिए, लेकिन भाईचारे में राजनीति नहीं होना चाहिए।

पाटीदार समाज महिला संगठन ने मनाया फाग उत्सव

शाजापुर। रंगों के पावन पर्व होली के उपलक्ष्य में पाटीदार समाज महिला संगठन द्वारा नीलकंठेश्वर मंदिर गरासिया घाट पर भव्य फाग उत्सव का आयोजन किया। संगठन की पदाधिकारी श्रीमति सरिता पाटीदार ने बताया की कार्यक्रम का सफल आयोजन संगठन की जिला अध्यक्ष आदर्श कंठिया के कुशल नेतृत्व में संपन्न हुआ। उत्सव के दौरान समाज की महिलाओं ने बड़ी संख्या में शिरकत की।

कार्यक्रम की शुरुआत भगवान श्री कृष्ण और राधा रानी के पूजन के साथ हुई। इसके पश्चात महिलाओं ने एक दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। फाग गीतों की धुनों पर महिलाएं जमकर थिरकीं और फूलों की होली खेलकर भाईचारे व प्रेम का संदेश दिया। जिला अध्यक्ष आदर्श कंठिया ने संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में एकता और समरसता की भावना सुदृढ़ होती है। उन्होंने महिलाओं को समाज के विकास में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रोत्साहित किया। इस दौरान पारंपरिक गीत महिलाओं द्वारा गाए गए, पारंपरिक फाग गीतों ने समां बांध दिया। फूलों की होली, रसायनों से दूर, प्राकृतिक रंग के साथ होली खेलकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। उक्त आयोजन की खर्च व्यवस्था राजकुमारी, डॉ. श्याम गोठी निवासी उमियाधाम कॉलोनी ने की, संगठन ने उनका आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर संगठन की सभी पदाधिकारी और बड़ी संख्या में समाज की माता-बहनें उपस्थित रही।

ओंकारेश्वर महादेव का नीलकंठ स्वरूप में अलौकिक श्रृंगार

शाजापुर। ओंकारेश्वर महादेव मंदिर में बाबा का नीलकंठ स्वरूप में भव्य और दिव्य श्रृंगार किया गया। समुद्र मंथन का हलाहल विष पीकर सृष्टि की रक्षा करने वाले महादेव के इस नयनाभिराम रूप को देखकर हर शिवभक्त नतमस्तक हो गया।

सोमवार शाम मंदिर पुजारी पंडित ओमप्रकाश गोस्वामी द्वारा बाबा ओंकारेश्वर का विशेष श्रृंगार किया गया। भांग, चंदन, सूखे मेवे, भस्म और सुगन्धित पुष्पों से सजे नीलकंठ महादेव की आकर्षक छटा देखते ही बन रही थी। बाबा के मस्तक पर त्रिपुंड और गले में पुष्पों की माला ने इस स्वरूप को और भी जीवंत कर दिया। शाम के समय मंदिर में ढोल नगाड़ों और शंख नाद के साथ महाआरती का भव्य आयोजन हुआ। इस दौरान श्रद्धालुओं का भारी हुजूम उमड़ा। दर्शनार्थियों ने बाबा नीलकंठ के समक्ष शीश नवाकर परिवार और अंचल की सुख समृद्धि व खुशहाली की मंगल कामना की।

किशोरी बालिकाओं को अनिवार्य रूप से करवाएं एचपीवी टीकाकरण

शाजापुर। कलेक्टर ऋजु बाफना ने जिले के आमजनों से अनुरोध किया है कि वे अपने परिवार व रिश्तेदारों की 14 वर्ष की किशोरी बालिकाओं जिन्होंने अपना 14वां जन्म दिन मना लिया हो और 15वां जन्म दिन नहीं मनाया हो, को एचपीवी टीकाकरण अनिवार्य रूप से लगवाएं।

साथ ही एचपीवी टीकाकरण लगवाने के लिए प्रेरित करें एवं उन्हें समझाईश दें कि एचपीव्ही वैक्सीन से बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर जैसी घातक बीमारी से बचाव किया जा सकता है एवं इसके कोई साईड इफेक्ट नहीं हैं यह बहुत ही मंहगी वैक्सीन है जिसे शासन द्वारा नि:शुल्क लगाया जा रहा है। कलेक्टर बाफना ने सभी जिला अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे स्वयं और अपने अधीनस्थ कर्मचारियों के परिवार, उनके परिवारजनों की उक्त उम्र की बालिकाओं को एचपीवी टीकाकरण अनिवार्य रूप से लगवाएं। उन्होंने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा, सहायिकाओं आदि का सहयोग लेकर शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सरपंचों से समन्वय स्थापित कर ग्रामीण क्षेत्र में एचपीवी टीकाकरण के लिए अभिभावकों को प्रेरित करें।

एनईपी 2020 और संकाय विकास कार्यक्रम में डॉ. बोड़ाने को ए ग्रेड

शाजापुर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस बीकेएसएन शासकीय अग्रणी महाविद्यालय शाजापुर के रसायन शास्त्र विभागाध्यक्ष एवं जिला नोडल अधिकारीई प्रवेशडॉ। अरुण कुमार बोड़ाने ने सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ गुजरात द्वारा आयोजित छह दिवसीय ऑनलाइन एनईपी 2020 संवेदीकरण एवं अभिविन्यास कार्यक्रम में भाग लिया।

डॉ. बोड़ाने को प्रमाण पत्र दिया गया

साथ ही यूजीसी मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम के अंतर्गत दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री गुरु तेज बहादुर खालसा कॉलेज द्वारा ऑनलाइन आयोजित श्रिसर्च मेथोडोलॉजी एसेंशियल एंड प्लैगरिज्म चौलेंजेस विषय पर ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में भी सहभागिता कर ए ग्रेड प्राप्त किया। डॉ। बोड़ाने महाविद्यालय के पहले ऐसे सहायक प्राध्यापक हैं जो विज्ञान संकाय के अंतर्गत सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन में शोध निर्देशक के रूप में पंजीकृत हुए हैं और वे निरंतर उच्च शिक्षा के शेत्र में शैक्षणिक नवाचारों के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ। एसके तिवारी ने प्रमाण पत्र दिया।

एक नजर में

आगर जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और उप स्वास्थ्य केंद्रो पर गोली दवाई को लेकर हाल-बेहाल

सर्दी-खांसी और बुखार के मरीजों की संख्या में इजाफा

सोयतकलां। देखा जाए तो सरकार स्वास्थ्य को लेकर बड़े बड़े दावा करती नजर आती है, पर धरातल पर रोजमर्रा की दवा भी नजर नहीं आ रही है। दरअसल, आगर मालवा जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और उप स्वास्थ्य केंद्रो पर रोजमर्रा की दवाई सिटीजन एमाक्सीसिलिन कफ सिरप आदि दवाईयों के लिए महंगे दामों पर बाजार से खरीदने को मजबूर हैं।

देखा जा रहा है विगत चार माह से सर्दी खासी बुखार के मरीजों की संख्या काफी हद तक बढ़ती जा रही है, जहां एंटीबायोटिक दवाई की आवश्यकता है वह दवाई प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और उप स्वास्थ्य केंद्र पर नहीं मिल पा रही है जो कहीं ना कहीं आगर जिले के स्वास्थ्य विभाग की पोल खोलती नजर आ रही है।

आगर जिले के अस्पताल की बात करें तो आए दिन अव्यवस्थाओं में सुर्खियों में बना रहता है आगर जिले के अस्पताल का हाल ही ऐसा है तो इससे ही अनुमान लगाया जा सकता है कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और उप स्वास्थ्य केंद्र के हाल कितने दयनिय होंगे। आगर जिला कलेक्टर को मामले को संज्ञान में लेना चाहिए और उप स्वास्थ्य केंद्र और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के समय समय पर निरीक्षण करने के निर्देश देना चाहिए ताकि व्यवस्थाओं में सुधार हो सके और गरीबों को जो रोजमर्रा की दवाई है वह नि:शुल्क वितरण हो सके।

मीडिया द्वारा उप स्वास्थ्य केंद्रो और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रो पर फोन से संपर्क कर जानकारी ली गई तो कहीं जगह पर कम मात्रा में दवाई उपलब्ध है तो कहीं जगह पर मांग करने के बाद भी दवाई उपलब्ध नहीं कराई जा रही है। नाम नहीं छापने की बात पर बताया गया कि हमारे यहां अमोक्सी और सिटीजन को आए 20 दिन हो गए हैं कई बार हमने सुसनेर भी अवगत कराया है पर बताया जाता है कि स्टॉक अभी नहीं है जिले में ही शॉट चल रही है जो कहीं ना कहीं स्वास्थ्य विभाग की पोल खोल रहा है देखना दिलचस्प होगा कि क्या उप स्वास्थ्य केंद्र और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर रोजमर्रा की दवाई उपलब्ध होती है या फिर ऐसे ही निजी मेडिकल से दवाई लेने को मजबूर होना पड़ेगा।

लंबित शिकायतों का शीघ्र निराकरण करें

सोयतकलां। कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए सभी विभागों से शिकायतों की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने 100 और 50 दिवस से लंबित शिकायतों का शीघ्र निराकरण कर ग्रेड सुधारने के निर्देश दिए। साथ ही संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत आयोजित क्लस्टर स्तरीय शिविरों में प्राप्त शिकायतों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि किसी भी आवेदक की समस्या लंबित नहीं रहनी चाहिए तथा सभी शिकायतों की ऐप पर अनिवार्य रूप से एंट्री की जाए। कलेक्टर ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन प्रकरणों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी पात्र व्यक्तियों को बिना परेशानी के पेंशन का लाभ मिले। पात्र प्रकरणों का शीघ्र निराकरण कर पेंशन प्रारंभ कराई जाए तथा पेंशन से संबंधित कोई भी शिकायत लंबित न रहे। उन्होंने ई। केवाईसी की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए ।